कला और विज्ञान का मिश्रण है लेखा शास्त्र

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

कार्यशाला के दौरान मौजूद टीचर्स.

KANPUR (21 Nov): सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर में ट्यूजडे को दो दिवसीय सीबीएसई लेखा शास्त्र कार्यशाला का आयोजन किया गया. वर्कशाप में कानपुर के विभिन्न स्कूलों के हायर सेकेंडरी लेबल के टीचर्स ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई. शुभारंभ सर्वशक्तिमान परमपिता परमात्मा के आशीर्वाद व शुभ दीपक प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, तत्पश्चात स्कूल के स्टूडेंट्स ने सुमधुर स्वागत गीत गाकर अतिथियों का हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन किया गया. कार्यशाला के प्रमुख वक्ता तरुण रुपानी (प्रिंसिपल, डॉ. अमित लाल इशरत मैमोरियल सनबीम स्कूल चौबेपुर वाराणसी) और ज्योति बंसल, (पीजीटी कॉमर्स, मरियमपुर सीनियर सेकेंडरी स्कूल) थी. कार्यशाला का उद्देश्य इस बात की गहरी समझ विकसित करना था कि कैसे लेखांकन व्यवसाय की भाषा है और साथ ही विद्यालयी स्तर पर लेखांकन के क्या लाभ हैं. लेखा शास्त्र, कला और विज्ञान का मिश्रण है. इस सत्र में व्यावसायिक रिकॉर्ड का रखरखाव, वित्तीय विवरण तैयार करना, परिणामों की तुलना, निर्णय लेना, कानूनी मामलों में साक्ष्य आदि पर डिस्कशन हुआ. यहां क्वेश्चन आंसर सेशन भी हुआ. यहां पर सीबीएसई कोआर्डिनेटर बलविंदर सिंह और प्रिंसिपल भावना गुप्ता आदि मौजूद रहे.